http://www.cgboardonline.com

# नवीन पाठ्यक्रम

Name : ..........................................................................................................

Roll No. : ........................................

कुल प्रश्नों की संख्या : **14** ] [ कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : **7**

# K-202010–B

## विषय : हिन्दी

समय : **3 घण्टे** ] [ पूर्णांक : **80**

***निर्देश*** : (*i*) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

(*ii*) प्रश्न-पत्र के प्रश्नों को तीन खण्डों—'क', 'ख' और 'ग' में विभक्त किया गया है।

(*iii*) खण्ड-'क' में 2 प्रश्न हैं, जिसमें 16 अंक निर्धारित हैं।

(*iv*) खण्ड-'ख' में 5 प्रश्न हैं, जिसके 4 प्रश्नों में विकल्प दिए गए हैं। इस खण्ड में कुल 20 अंक निर्धारित हैं।

(*v*) खण्ड-'ग' के आरोह भाग में 32 अंक निर्धारित हैं।

(*vi*) खण्ड-'ग' के वितान भाग में 12 अंक निर्धारित हैं।



http://www.cgboardonline.com

**खण्ड-'क'**

प्रश्न-1. अधोलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

"तत्ववेत्ता शिक्षाविदों के अनुसार विधा दो प्रकार की होती है। प्रथम वह जो हमें जीवनयापन के लिए अर्जन करना सिखाती है।  और द्वितीय वह जो हमें जीना सिखाती है। इसमें से एक का भी अभाव जीवन का निरथक बना देता है। बिना कमाए जीवन-निर्वाह संभव नहीं। कोई भी नहीं चाहेगा कि वह परावलंबी हो-माता-पिता परिवार के सदस्य, जाति या समाज पर। पहली विद्या से विहीन व्यक्ति का जीवन दूभर हो जाता है, वह दूसरों के लिए भार बन जाता है। साथ ही विद्या के बिना सार्थक जीवन नहीं जिया जा सकता। बहुत अर्जित कर लेने वाले व्यक्ति का जीवन यदि सुचारू रूप से नहीं चल रहा, उसमें यदि वह जीवन-शक्ति नहीं है जो उसके अपने जीवन को तो सत्यपथ में अग्रसर करती ही है साथ ही वह अपने समाज, जाति और राष्ट्र के लिए भी मार्ग दर्शन करती है, तो उसका जीवन भी मानव-जीवन का अभिधान नहीं पा सकता। वह भारवाही गर्दभ बन जाता है या पूँछ-सींग विहीन पशु कहा जाता है।

वर्तमान भारत में दूसरी विद्या का प्रायः अभाव दिखाई देता है, परंतु पहली विद्या का रूप भी विकृत ही है, क्योंकि न तो स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करके निकला छात्र जीविकार्जन के योग्य बन पाता है और न ही वह उन संस्कारों से युक्त हो पाता है, जिनसे व्यक्ति 'कु' से 'सु' बनता है, सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत कहलाने का अधिकारी होता है। वर्तमान शिक्षा पद्धति के अंतर्गत हम जो विद्या प्राप्त कर रहे हैं, उसकी विशेषताओं को सर्वथा नकारा भी नहीं जा सकता। यह शिक्षा कुछ सीमा तक हमारे दृष्टिकोण को विकसित भी करती है, हमारी मनीषा को प्रबुद्ध बनाती है तथा भावनाओं को चेतन करती है, किन्तु कला, शिल्प प्रौद्योगिकी आदि की शिक्षा नाम मात्र की होने के फलस्वरूप इस देश के स्नातक के लिए जीविकार्जन टेढ़ी खीर बन जाती है और बृहस्पति बना युवक नौकरी की तलाश में अर्जियाँ लिखने में ही अपने जीवन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर लेता है।"

http://www.cgboardonline.com

(i) व्यक्ति किस परिस्थिति में मानव-जीवन की उपाधि नहीं पा सकता? (2)

(ii) विद्या के कौन-कौन से दो रूप बताए गए हैं ? (2)

(iii) वर्तमान शिक्षा पद्धति के लाभ व हानि बताइए। (2)

(iv) विद्या-हीन व्यक्ति की समाज में क्या दशा होती है ? (2)

(v) शिक्षित युवकों को अपना बहुमूल्य समय क्यों बर्बाद करना पड़ता है ? (2)

(vi) संधि-विच्छेद कर लिखिए (1)

(क) परावलंबी (ख) जीविकोपार्जन

(vii) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

प्रश्न-2 अधोलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर, इन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

अपना नहीं अभाव मिटा पाया जीवन भर

पर औरों के सभी अभाव मिटा सकता हूँ
तूफानों-भूचालों की भयप्रद छाया में
मैं ही एक अकेला हूँ जो गा सकता हूँ।
मेरे 'मैं' की संज्ञा भी इतनी व्यापक है,
इसमें मुझ-से अगणित प्राणी आ जाते हैं।
मुझको अपने पर अदम्य विश्वास रहा है।
मैं खण्डहर को फिर से महल बना सकता हूँ।
जब-जब भी मैंने खण्डहर आबाद किए हैं
प्रलय-मेघ-भूचाल देख मुझको शरमाए।
मैं मजदूर मुझे देवों की बस्ती से क्या है
अगठित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।

(i) उपर्युक्त काव्य पंक्ति में किसका महत्व प्रतिपादित किया गया है? (1)
(ii) स्वर्ग के प्रति मजदूर की विरक्ति का क्या कारण है? (1)
(iii) किन कठिन परिस्थितियों में उसने अपनी निर्भयता प्रकट की है? (1)
(iv) अपनी शक्ति और क्षमता के प्रति उसने क्या कहकर अपना आत्म-विश्वास प्रकट किया है? (1)

**खण्ड-'ख'**

प्रश्न-3 'नदियों की स्वच्छता हमारा नैतिक दायित्व' पर फीचर लिखिए। (3)

**अथवा**

'विज्ञापनों की लुभावनी दुनिया' पर एक आलेख लिखिए।

प्रश्न-4 पत्रकारिता के माध्यम से निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [1+1+1+1=4]
(अ) पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?
(ब) खोज-परख पत्रकारिता किसे कहा जाता है?
(स) पीत-पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?
(द) एंकर-बाइट किसे कहते हैं?

प्रश्न-5 रेलवे के आरक्षित डिब्बों में अवांछित तत्वों के घुस आने से यात्रियों को हो रही अनेक प्रकार की समस्याओं का उल्लेख करते हुए चेयरमैन, रेलवे बोर्ड, रेल भवन, नई दिल्ली को पत्र लिखकर अपने सुझाव प्रेषित कीजिए। [1+1+2+1=5]

**अथवा**

दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए जिसमें जगह-जगह आवारा घुमने वाले पशुओं की समस्या की ओर जनता और संबंधित अधिकारियों का ध्यान खींचा गया हो।

प्रश्न-6 निम्नलिखित में से किसी एक पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए : [1+3+1=5]
(अ) क्यों न परहेज करें हम प्लास्टिक से

(ब) साइबर अपराध का आतंक
(स) वृक्ष धरा के भूषण
(द) अंतरिक्ष विज्ञान और भारत

प्रश्न-7 जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित कहानी 'पुरस्कार' पर निम्न बिंदुओं पर प्रतिक्रिया/आलोचना व्यक्त कर लिखिए : http://www.cgboardonline.com [1½+1½=3]
(अ) संवाद
(ब) भाषा-शैली

**अथवा**

जगदीशचंद्र माथुर की एकांकी ' रीढ़ की हड्डी' पर निम्न बिंदुओं पर समीक्षा कर लिखिए :
(अ) पात्र एवं चरित्र-चित्रण
(व) भाषा-शैली

**खण्ड-'ग'**

प्रश्न-8 (i) धर्मवीर भारती के गीत नाट्य कृति का नाम लिखिए।
(ii) 'बादल राग' कविता में निराला ने अट्टालिकाओं को आतंक-भवन कहा गया है, क्यों?
(iii) कथा कही सब तेहि अभिमाना। जेहि प्रकार सीता हरि आनी। [1]
तात कपिन्ह सब निसिचर मारे। महा-महा जोधा संहारे॥ [3]
इस काव्यांश के शिल्प-सौंदर्य को उद्धृत कर लिखिए। [3]
(iv) "उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ" कवि हरिवंशराय बच्चन जी इस पंक्ति में क्या कहना चाहते हैं? [3]

प्रश्न-9 (i) "जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है।" शमशेर बहादुर सिंह जी की इस पंक्ति में 'जादू टूटता है' का आशय स्पष्ट कर लिखिए। [2]

(ii) आँगन में लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों ये झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है ।
गुंज उठती खिलखिलाते बच्चे की हँसी।
इस रूबाई के शायर का नाम तथा इस रूबाई में प्रयुक्त मुहावरों को लिखिए। [ 1+1=2]

(iii) चार्ली चैप्लिन किन-किन के नजदीक लगते हैं? [2]

प्रश्न-10 (i) 'काले मेघा पानी दे' अध्याय में 'इंदर सेना' सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोली है ? दो कारण लिखिए।
(ii) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय में चाँद सिंह को शेर के बच्चे की उपाधि कैसे मिली? [2]

प्रश्न-11 (i) 'बाजार दर्शन' अध्याय में बाजार जाने या न जाने के संदर्भ में मन की कई स्थितियों का जिक्र आया है। आप इन स्थितियों से जुड़े अपने अनुभवों का वर्णन कर लिखिए : [1+1+1=3]

(क) मन खाली हो। (ख) मन खाली न हो। (ग) मन बंद हो।

(ii) जाति-प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भूखमरी का भी एक कारण कैसे से बनती है ? क्या यह स्थिति आज भी है ? [1½+1½ =3]

प्रश्न-12 (i) 'आत्म-परिचय' कविता में 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है ? [1½+1½ =3]

(ii) 'उषा' कविता में 'सिल' और 'स्लेट' के माध्यम से कवि श्री शमशेर बहादुर सिंह जी ने किस प्रकार अपने मंतव्य को प्रकाशित किया है ? लिखिए। [3]

प्रश्न-13 "ऐन की डायरी अगर एक ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है, तो साथ ही उसके निजी सुख-दुख और भावनात्मक उथल-पथल का भी। इन पृष्ठों में का फर्क मिट गया है।" इस कथन पर विचार करते हए अपनी सहमति या असहमति तर्कपूर्वक व्यक्त कर लिखिए। [4]

**अथवा**

"यह साठ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज है। एक ऐसी आवाज, जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है।" इल्या इडरनबुर्ग की इस टिप्पणी के संदर्भ में 'ऐन फ्रैंक की डायरी' के पठित अंशों के आधार पर अपने विचार लिखिए।

प्रश्न-14 (i) 'सिल्वर-वैडिंग' कहानी के आधार पर 'यशोधर बाबू' के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। [1+1+1+1=4]

**अथवा**

'जूझ' कहानी के आधार पर आनंदा के व्यक्तित्व की कोई चार प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(ii) नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी व्यवस्था को देखते हुए लेखक पाठकों से प्रश्न पूछता है कि क्या हम सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल-संस्कृति' कह सकते हैं? आपका जवाब लेखक ओम थानवी के पक्ष में है या विपक्ष में ? तर्क देकर लिखिए। (चार बिंदु में) [1+1+1+1=4]

**अथवा**

'अतीत के दबे पाँव' अध्याय के आधार पर पर्यटक मुअनजो-दड़ो में क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं ? किन्हीं चार दृश्यों का परिचय देकर लिखिए।

**http://www.cgboardonline.com**
**Whatsapp @ 9300930012**
**Send your old paper & get 10/-**
**अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,**
**Paytm or Google Pay से**